वहां पर बड़ा अच्छा रेस्पॉस मिला है। इससे भारत को एक नई territory मिल जाएगी। ...(व्यवधान)... मैं उस पर आ रहा हूं ...(व्यवधान)... मैं उस पर आ रहा हूं। 'खुदा के लिए' और 'सलाखें' अभी-अभी यहां पर रिलीज हुई हैं, उनको बड़ा पसंद किया जा रहा है। यह हमारे और उनके, दोनों देशों के लिए, बहुत अच्छा रहेगा अगर फिल्में रिलीज की जाएं और आगे आने वाले टाइम में - महेश भट्ट जी ने इसके ऊपर कुछ प्रयास किया है, लेकिन वह अभी पूरे तरीके से नहीं है। हम भारत सरकार से अनुरोध करेंगे कि इसे किया जाए। ...(व्यवधान)... यह सभी लोग चाहते हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): The time is over. ...(*Interruptions*)... Time is over. ...(*Interruptions*)... Now, Shri Ali Anwar Ansari.

Increasing cases of attacks on journalists in Uttar Pradesh

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, उत्तर प्रदेश में पत्रकारों को torture किया जा रहा है, प्रताड़ित किया जा रहा है तथा उन पर गलत मुकदमे किये जा रहे हैं। जनता की सही खबर छापने के लिए उनको फंसाया जा रहा है। हम आपको बता रहे हैं कि एक अखबार के पूर्व सम्पादक रह चुके 65 साल के श्री मेहरूद्दीन खान साहब हैं। उनके भतीजे पर एक लड़की के अपहरण का मुकदमा हुआ। उसमें मेहरुद्दीन खान को और उनके लड़के को पुलिस ने आधी रात में पकड़ कर उनको घसीटते हुए ले जा कर जेल में बंद कर दिया है। पुलिस उनकी लड़कियों के यहां छापा मार रही है तथा उनके रिश्तेदारों को सता रही है। वह 65 साल के हैं और सब लोग उन्हें जानते हैं। मैं उनको पर्सनली जानता हूं कि वह एक बहुत बड़े पत्रकार हैं और एक शालीन आदमी हैं। उनको इस तरह से वहां प्रताड़ित किया जा रहा हैं और गलत केस में उनको फंसाया गया है।

महोदय, इलाहाबाद के एक पत्रकार श्री श्यामेन्द्र कुशवाहा हैं। उनका अपहरण कर लिया गया। किसी तरह से वह अपहरणकर्ताओं से अपने को बचा कर भागे हैं। वहां पत्रकारों का अपहरण को रहा है। उसी तरह से एक श्री समीनुद्दीन नीलू साहब हैं, जिनको पुलिस ने एनकाउंटर करना चाहा। किसी तरह से वह जनता के दबाव से बच गए, तो उन पर तस्करी का आरोप लगाकर उनको जेल में बंद कर दिया गया। मानवाधिकार आयोग ने वहां के डी.जी.पी. को वहां के गृह सचिव को तलब किया है।

महोदय, वहां इस तरह की घटनाएं हो रही है। तथा इस तरह से पत्रकारों को जो जनता के दुख दर्द की- वहां पर अकलियत के लोगों को, मुसलमानों को, गरीब लोगों को फंसाया जा रहा है। उसकी खबर मेहरूद्दीन खान साहब ने छापी थी, जिसके चलते उनको पकड़ कर के जेल में बंद किया गया है। हमारे यहां बिहार में इस तरह की व्यवस्था है कि अगर किसी पत्रकार को अरेस्ट करना है, तो आप को आला अधिकारियों जैसे डी.जी.पी./चीफ सेक्रेटरी से इजाजत लेनी होगी, कोई नीचे का अधिकारी इन लोगों को पकड़कर गिरफ्तार नहीं कर सकेगा। इसलिए महोदय, आप निर्देश दें या कोई मंत्री हो तो बताएं कि यह किस तरह का व्यवहार उत्तर प्रदेश में पत्रकारों के साथ रहा है? क्यों उनको प्रताड़ित किया जा रहा है? आप अपने आसन से आदेश दें, कोई मंत्री है तो आप आदेश दें कि वहां क्यों इस तरह से रहा रहा है। महोदय, 65 साल का वह आदमी 15 दिन से जेल में बंद है। वह नवभारत टाइम्स जैसे अखबार में न्यूज एडीटर रहे हैं, कई अखबारों में एडीटर रहे हैं और एक लंबे समय से, जब से हमने होश संभाला है, तब से उनके लेख अखबारों में बढ़ रहे हैं। वह लेखक भी हैं, उन्होंने कई किताबें भी लिखी हैं।

महोदय, इस तरह से उत्तर प्रदेश में पत्रकारों के साथ जो घटनाएं हो रही हैं, वह शर्मनाक हैं।

श्री शाहिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश): सर, मैं श्री अली अनवर अंसारी जी के साथ एसोसिएट करता हूं।

† [**شری شاہد صدیقی (اتر پردیش)** : سر، میں شری علی انور انصاری جی کے ساتھ ایسوسی ایٹ کرتا ہوں۔]

श्री बनवारी लाल कंछल (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी एसोसिएट करता हूं।

श्री रमा नारायण साहू (उत्तर प्रदेश): मैं एसोसिएट करता हूं। ...(व्यवधान)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): The time is over.

† [Transliteration in Urdu Script].